University in News on 01 May 2025

JAGRAN CITY PAGE III

शोधार्थियों को बताए शोध में गलतियों से बचने के उपाय

लखनऊ : लवि के शिक्षा संकाय में बुधवार को 'ज्ञान का खाका : प्रभावी अनुसंधान डिजाइन करना' व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं डीन प्रो. डीएन संसनवाल ने जर्क तकनीकी का इस्तेमाल करते हुए शोधार्थियों को शोध में हो रही गलतियों तथा शोध के सही उपागम को बताया। समस्या कथन तथा शोध के विभिन्न सोपानों की व्याख्या करते हुए शोधार्थियों को शोध प्रक्रिया में आने वाली सामान्य गलतियों और उनसे बचने के उपाय बताए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार ने की। (जासं)

मौखिक परीक्षा पांच को

लखनऊ : लवि में बी.काम छठे सेमेस्टर सेल्फ फाइनेंस एवं रेगुलर कोर्स के विद्यार्थियों के माइनर प्रोजेक्ट की मौखिक परीक्षा पांच मई को होगी। विद्यार्थी प्रो. केके सक्सेना, न्यू कामर्स ब्लाक पुराने परिसर में उपस्थित हों। वाणिज्य संकाय की अधिष्ठाता प्रोफेसर अर्चना सिंह ने नोटिफिकेशन जारी कर छात्र-छात्राओं से मानइर प्रोजेक्ट रिपोर्ट की हार्ड कापी और सीडी की सापट कापी लेकर आने के लिए कहा है। (जासं)

20 तक मांगा शोध प्रस्ताव

लखनऊ : लवि ने वर्ष 2025-26 में रिसर्च एंड डेवलपमेंट तथा सेंटर आफ एक्सीलेंस योजना के तहत विभागों से 20 मई तक शोध प्रस्ताव देने का नोटिफिकेशन जारी किया है। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से जारी सूचना के अनुसार शासन ने शोध प्रस्ताव भेजने के लिए 31 मई तक समय तय किया है। विभाग को इस बात का प्रमाण पत्र भी देना होगा कि शोध प्रस्ताव देने वाले शिक्षक उनके यहां स्थायी रूप से नियुक्त एवं कार्यरत हों। (जासं)

नृत्य संग थिरके तन, फूलों की होली से सुवासित मन

इंसुला-25 में विद्यार्थियों की शानदार नृत्य प्रस्तुतियों से झूम उठा एपी सेन प्रेक्षागृह

जासं • लखनऊ : 'एक नदी से मैंने पूछा, इठला के चल दी कहां, दूर तेरे पी का घर है, बलखा के चल दी कहां...' गीत पर शाइनी निगम ने नृत्य शुरू किया तो दर्शक भी उनके साथ थिरके उठे। लवि के एपी सेन प्रेक्षागृह में यह नृत्य पूरा हुआ नहीं कि 'कहो न प्यार है...' गीत बज उठा और विद्यार्थी झूम उठे। इसके बाद 'चल छैंया छैंया छैंया...', और 'छम्मा छम्मा...' जैसे गानों पर भी सुंदर नृत्य प्रस्तुतियां दी गईं। इस बीच फूलों की होली में गुलाबी पंखुड़ियां बरसीं तो प्रेक्षागृह महक उठा।

विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की ओर से तीन दिवसीय अंतरविद्यालयी इंसुला-25 के अंतिम दिन बुधवार को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि दैनिक जागरण के संपादक (उत्तर प्रदेश) आशुतोष शुक्ल ने कहा, 'जिन चीजों को पढ़ रहे हैं, उसे अपने जीवन में उतारें। गूगल पर सर्च करें, किंतु किताबों को न भूलें।' सब्र, परिवार और संतुलन तीन शब्दों को जरूरी बताते हुए कहा, 'अपने परिवार और भाई-बहन को कभी न भूलें।' वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण कुमार ने कहा, विद्यार्थी केवल डिग्री न लें, कौशल पर भी ध्यान दें। गायिका अनुपमा राग ने 'बादल पे पांव है ये छोटा गांव है...' गीत सुनाकर विद्यार्थियों को प्रेरित किया। इंसुला-25 में 20 से अधिक हुई प्रतियोगिताओं के विजेताओं को अतिथियों ने पुरस्कृत किया। अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रो. वाइस चांसलर मनुका खन्ना व डीन अरविंद मोहन व कार्यक्रम संयोजिका डा. मानिनी श्रीवास्तव उपस्थित रहीं।

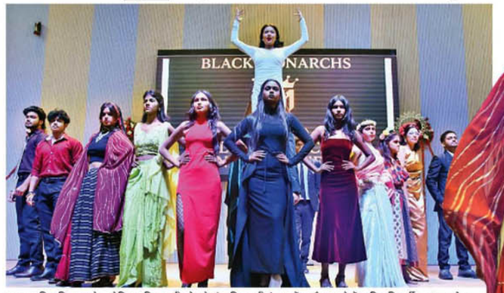

लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की ओर से अंतरविद्यालयी इंसुला में हुए फैशन शो में शामिल विद्यार्थी • पंकज ओझा

डीन अरविंद मोहन व अतिथि डा. स्वपनिल सिन्हा पर पुष्प वर्षा करते अभिनव

फैशन शो में विद्यार्थियों ने विभिन्न परिधानों का प्रदर्शन किया • जागरण

विद्यार्थियों को पुरस्कृत करतीं प्रो वाइस चांसलर मनुका खन्ना और गायिका अनुपमा राग

इंसुला में प्रस्तुति का आनंद लेते विद्यार्थी • जागरण

मनोविज्ञान विभाग की कार्डिनेटर डा. मानिनी श्रीवास्तव, प्रो अर्चना शुक्ला (दाएं से)

इंडियन इकोनामी से जुड़े आंकड़ों की तलाश होगी आसान : डा. मंजूषा

जासं • लखनऊ : डिजिटलाइजेशन से लोगों के काम करने की प्रक्रिया आसान हुई है। रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने आरबीआइ डाटा एप लांच कर डेटा एक्ट्रैक्टिव तरीके से प्रस्तुत किया है। इससे बैंकिंग सिस्टम को समझने और सिस्टम के बीच पारदर्शिता को लेकर चीजें ज्यादा स्पष्ट रहेंगी। जो फ्राड होते हैं उनमें भी कमी आएगी।

आरबीआइ डाटा एप का मकसद इंडियन इकोनामी से जुड़े अहम आंकड़ों को आसान और आम लोगों के लिए उपलब्ध कराना है। यह बातें लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग एवं रर्बन एग्रीप्रेंयोर्स इंक्यूबेशन फाउंडेशन (रैफ) की ओर से विभाग के कौटिल्य हाल में बुधवार को आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि भारतीय रिजर्व बैंक मुंबई की डेटा प्रबंधन और प्रसार विभाग की निदेशिका डा. मंजूषा सेनापति ने कहीं। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक ने आर्थिक आंकड़ों तक आसान पहुंच के लिए आरबीआइ डेटा एप लांच किया है।

यह एप भारतीय अर्थव्यवस्था से संबंधित व्यापक आर्थिक और वित्तीय आंकड़े उपयोगकर्ता के अनुकूल और आकर्षक प्रारूप में प्रदान करता है। उपयोगकर्ता ग्राफ/चार्ट में समय शृंखला डेटा देख पाएंगे और विश्लेषण के लिए डेटा डाउनलोड कर पाएंगे। इसमें डेटा स्रोत, माप की इकाई, आवृत्ति और हाल के अपडेट जैसे विवरण भी है। यह पहल वित्तीय पारदर्शिता को बढ़ाने के साथ-साथ नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और जनता को 11,000 से अधिक आर्थिक डेटा शृंखलाओं तक सहज पहुंच प्रदान करती है। विशिष्ट अतिथि भारतीय रिजर्व बैंक मुंबई के प्रबंधक सृजन हजरा ने मोबाइल, टैब और कंप्यूटर पर आनलाइन एवं आफलाइन डाटा उपयोग की आनहैंड ट्रेनिंग प्रदान करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के सभी महत्वपूर्ण आयामों को शामिल करते हुए सात व्यापक श्रेणियों से डेटा को कवर करता है।

कला संकाय के अध्यक्ष प्रो. अरविंद मोहन ने कहा कि आरबीआइ का यह पहल निश्चित ही शोध क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाएगी। वरिष्ठ प्रो. एमके अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक परिवर्तनों के साथ-साथ भारत भी बदल रहा है। प्रो. विनोद सिंह ने सभी का स्वागत किया।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

एप से बैंकिंग के तरीके को समझना होगा आसान

लखनऊ। लखनऊ विवि में अर्थशास्त्र विभाग और रर्बन एग्रीप्रेन्योर्स इन्क्यूबेशन फाउंडेशन (रैफ) ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर डाटाबेस और आरबीआई के मोबाइल एप्लिकेशन डाटा पर कौटिल्य हॉल में कार्यशाला हुई। मुख्य अतिथि आरबीआई मुंबई की डाटा प्रबंधन और प्रसार प्रभाग की निदेशिका डॉ. मंजूषा सेनापति ने कहा, भारतीय रिजर्व बैंक ने आर्थिक आंकड़ों तक आसान पहुंच के लिए आरबीआई डाटा एप लॉन्च किया है। अर्थशास्त्र विभाग के वरिष्ठ प्रो. एमके अग्रवाल ने कहा, इस एप से बैंकिंग सिस्टम को समझना आसान होगा। अध्यक्षता कला संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. अरविंद मोहन ने की। संयोजक व अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद सिंह, आयोजन सचिव डॉ. हरनाम सिंह प्रो. रोली मिश्रा समेत कई अन्य उपस्थित रहे। (संवाद)

लविवि: कैंपस प्लेसमेंट में तीन छात्रों का एनपीसीएल में चयन

लखनऊ। लखनऊ विवि में कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से विद्यार्थियों का चयन नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड (एनपीसीएल) में हुआ है। सभी अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अंतिम वर्ष के विद्यार्थी हैं। प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि एनपीसीएल की चयन प्रक्रिया तीन चरणों में संपन्न हुई। चयनित छात्रों में आभा कुमारी, राघवेंद्र प्रताप सिंह व सात्विक यादव हैं। इन्हें मैनेजमेंट ट्रेनी टेक्निकल पद पर सात लाख रुपये वार्षिक पैकेज मिलेगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बधाई दी। (संवाद)

HT PAGE 4

LU to support edu of Pahalgam attack victims' dependents

LUCKNOW: Lucknow University will offer free education to the dependents of those killed in the April 22 Pahalgam terror attack; vice-chancellor prof Alok Kumar Rai announced on Tuesday. The university will also provide accommodation and study materials to the affected families. "We will welcome them to pursue education at Lucknow University, bearing the full cost of their education, accommodation, and books," Prof Rai said, emphasising the institution's commitment to supporting the families of the victims.

PIONEER PAGE 3

इंडियन इकोनॉमी से जुड़े आंकडों की तलाश अब होगी आसानः डॉ. मंजूषा सेनापति

● आरबीआई डाटा ऐप से यूजर्स इंडियन इकोनामी से जुड़े 11000 से ज्यादा सीरीज के इकोनामिक डाटा देख पाएंगे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डिजीटलाइजेशन से लोगों के काम करने का जो प्रॉसेस है, वो आसान बना है। रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने आरबीआई डाटा ऐप लांच कर डेटा अट्रैक्टिव तरीके से प्रस्तुत किया है। इससे बैंकिंग सिस्टम को समझने और सिस्टम के बीच ट्रांसपेरेंसी को लेकर चीजे ज्यादा क्लियर रहेंगी। जो फ्रॉड होते हैं उनमें भी कमी आएगी। आरबीआई डाटा ऐप का मकसद इंडियन इकोनामी से जुड़े अहम आंकड़ों को इजी और आम लोगों के लिए उपलब्ध कराना है।

उक्त बातें अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं रर्बन एग्रीप्रेन्योर्स इन्कुयुबेशन फाउन्डेशन (रैफ) द्वारा कौटिल्य हॉल में आयोजित भारतीय अर्थव्यवस्था पर डेटाबेस और भारतीय रिजर्व बैंक के मोबाइल एप्लिकेशन आरबीआई डेटा पर केंद्रित डेटा उपयोगकर्ता कार्यशाला की मुख्य अतिथि भारतीय रिजर्व बैंक, मुंबई की डेटा प्रबंधन और प्रसार प्रभाग कि निदेशिका डॉ. मंजूषा सेनापति ने कही। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक ने आर्थिक आंकड़ों तक आसान पहुंच के लिए आरबीआई डाटा ऐप लॉन्च किया है। आरबीआई डाटा ऐप भारतीय अर्थव्यवस्था से संबंधित व्यापक आर्थिक और वित्तीय आँकड़े उपयोगकर्ता के अनुकूल और आकर्षक प्रारूप में प्रदान करता है। यह पहल वित्तीय पारदर्शिता को बढ़ाती है और नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और जनता को 11,000 से अधिक आर्थिक डेटा श्रृंखलाओं तक सहज पहुंच प्रदान करती है। कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि भारतीय रिजर्व बैंक मुंबई के प्रबंधक सृजन हजरा ने मोबाईल, टैब और कंप्यूटर पर ओनलाईन एवं ऑफलाइन डाटा उपयोग की ऑन-हैंड ट्रेनिंग प्रदान करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के सभी महत्वपूर्ण आयामों को शामिल करते हुए सात व्यापक श्रेणियों से डेटा को कवर करता है। इसमें रियलिटी सेक्टर में जीडीपी, औद्योगिक उत्पादन, कृषि, बुनियादी ढांचे और कीमतों पर डेटा शामिल है। वित्तीय सेक्टर में बैंकिंग, सांख्यिकी, मौद्रिक ब्याज दरें शामिल हैं। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए कला संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो अरविन्द मोहन ने कहा कि आरबीआई का यह इनिसिएटिव निश्चित ही शोध क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लायेगी। कार्यशाला के संयोजक एवं अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो विनोद सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय आर्थिक डेटाबेस भारत के आर्थिक डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर में एक आधारशिला है, जो शोध और नीति निर्माण के लिए महत्वपूर्ण मैक्रोइकॉनोमिक, वित्तीय और सामाजिक डेटा श्रृंखला का विस्तृत और व्यापक संग्रह प्रदान कर रहा है।

कार्यशाला की प्रस्तावना रखते हुए अर्थशास्त्र विभाग के वरिष्ठ प्रो. एम.के. अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक परिवर्तनों के साथ-साथ भारत भी बदल रहा है।

शोध में हो रही गलतियों की छात्रों को मिली जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय में बुधवार को ब्लूप्रिंट आफ नालेज: डिजाइनिंग इफेक्टिव रिसर्च विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफ़ेसर डी. एन. संसनवाल (पूर्व विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, शिक्षा विभाग, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर) उपस्थित रहें ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रोफ़ेसर दिनेश कुमार ने की। सत्र का प्रारम्भ पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. आकांक्षा सिंह ने वक्ता का स्वागत करते हुए किया, प्रो. किरणलता डंगवाल ने वक्ता का परिचय दिया। डॉ. संसनवाल ने जर्क तकनीकी का इस्तेमाल करते हुए शोधार्थियों के कौतूहल को बढ़ाया एवं शोध में हो रही गलतियों तथा शोध के सही उपागम को बताया। समस्या कथन तथा शोध के विभिन्न सोपानों की व्याख्या करते हुए शोधार्थियों को शोध प्रक्रिया में आने वाली सामान्य गलतियों और उनसे बचने के उपाय बताये। सत्र के अंत में शोधार्थियों ने अपने प्रश्न पूछे और चर्चा में भाग लिया। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। विभाग के प्राध्यापक डॉ. देवेंद्र कुमार यादव, प्रो. मुनेश कुमार, डॉ. अर्पणा गोडबोले एवं डॉ. संजय सिंह यादव उपस्थित रहे।